Statement

Requirement of gas indicated by Government of Maharashtra

Name of the Project	Max. Demand of Gas in MCMPD
RCF, Trombay	2·33
RCF, Thal Vaishet	4·46
Deepak Fertilizer, Taloja	0·30
LPG Production & self consumption by ONGC	1·20
Tata Thermal Station, Trombay	3·27
MSEB, Uran	3·68
Domestic Consumers, Bombay	1·00
Textile Mills, Bombay	1·02
Bharat Electronics & Indo Asahi (TV Shells)	0·09
Gas Cracker & Petro-chemical Complex Nagothane (NGCC & MPCL)	1·60
Hindustan Organic Chemicals, Rasayani	0·48
Methanol—3000 TPD	3·00
Sponge Iron Project	0·50
New Fertilizer Plants :	
(i) 1350 TPD of Ammonia+DAP	2·40
(ii) 900 TPD of Ammonia +DAP	1·60
Union Carbide India Ltd.	0·12
New Projects like Methyl Methacrylate Hydrocyanic Acid Chloramethanes, etc.	0·86
Glass Industries	0·30
Domestic consumers in Nasik, Pune, Thane, Ambernath, Ulhasnagar, Bhivandi, Kalyan, etc.	0·60
Industries in above areas	3·00
	31·81

मै० आई० टी० सी० के उत्पादन तथा आमदनी में वृद्धि

1358. **श्री रामभगत पासवान :** क्या विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1960 की तुलना में 1982 में आई० टी० सी० के उत्पादन में कितनी वृद्धि हुई तथा उसकी आमदनी कितनी बढ़ी ;

(ख) क्या यह सच है कि इस कम्पनी ने विदेशों में भी अपना व्यापार बढ़ा लिया है ; और

(ग) यदि हां, तो इस कम्पनी द्वारा आरम्भ किये गये विभिन्न व्यापारों का ब्यौरा क्या है ?

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) सिगरेटों, जो आई० टी० सी० द्वारा विनिर्माण की प्रमुख वस्तु है का उत्पादन 1960 में 17294 मिलियन से 1982 मे 37203 मिलियन तक बढ़ गया । इस अवधि के दौरान, कम्पनी की आमदनी 1960 मे 37.1 करोड़ रु० से 1982 में 588.6 करोड़ रु० तक बढ़ गई ।

(ख) तथा (ग) कम्पनी ने इस अवधि के ऊपर विदेशों में अपना निर्यात व्यापार बढ़ा लिया है। कम्पनी, जो केवल तैयार तम्बाकू की ही निर्यातकर्ता थी, अब सिगरेट तथा दरियां, हस्तउपकरण, वस्त्र तथा समुद्रीय खाद्य पदार्थों जैसी वस्तुओं का निर्यात करती है। 1977 में कम्पनी को होटल काठमांडू के साम्य हिस्सों में सहभागिता एवं इसे भारतीय संयुक्त उपक्रम के रूप में संचालित करने, की अनुमति प्रदान की गई थी ।